विषय- सिलाई

(कक्षा-9)

इस विषयमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंक आन्तरिक मूल्यांकन का होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 23 एवं 10 कुल 33 अंक हैं। पूर्णांक 100

नोट: 70 अंकों की लिखित परीक्षा में एक अंक के 20 बहुविकल्पी प्रश्न (खंड अ)जिनके उत्तर OMR शीट पर देने होंगे, 50 अंक के वर्णात्मक प्रश्न (खंड ब; अतिलघु-10x2, लघु-6x4, दीर्घ उत्तरीय-1x6) होंगे।

इकाई

1-विभिन्न प्रकार के कपड़ों (सूती, ऊनी, रेशमी, सिन्थेटिक) के तन्तु व उनकी विशेषतायें। 7 अंक

2-सूती, ऊनी, रेशमी, सिन्थेटिक कपड़ों पर लोहा (प्रेस) करने की विधि। 7 अंक

3-सिलाई में प्रयोग होने वाली सामग्री का ज्ञान। 7 अंक

4-धागे का ज्ञान। 7 अंक

5-पर्यावरण सुरक्षा अर्थ स्वरूप तथा पर्यावरण और सिलाई का सम्बन्ध। 7 अंक

6-प्रदूषण क्या है? उनके विभिन्न प्रकार का प्रभाव। 7 अंक

7-सिलाई क्रिया के समय प्रदूषण के अवसर। 7 अंक

8- मानव शरीर- प्रकार एवं गठन। 7 अंक

9-नाप लेने की प्रणाली- प्रत्यक्ष प्रणाली तथा अप्रत्यक्ष प्रणाली 7 अंक

10-सादा पायजामा, पेटीकोट, बंगला कुर्ता, फ्राक परिधानों की नाप लिखना, रेखा चित्र बनाना तथा पेपर कटिंग करना। 7 अंक

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम: प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।

1-पेपर कटिंग- सादा पायजामा, पेटीकोट, बंगला कुर्ता, फ्रॉक सम्बन्धित यंत्रों के नापों की जानकारी एवं ड्राफ्ट बनाने का अभ्यास।

2-पेटीकोट, फ्रॉक, पायजामा, प्रेसिंग उपकरणों की जानकारी एवं उपयोगिता वस्त्रों की सिलाई सम्बन्धी परिधानों की हाथ सिलाई, काज, बटन एवं पूर्ण रूपेण फिनिशिंग का ज्ञान एवं अभ्यास करना।

प्रोजेक्ट कार्यों की सूची-

नोट: दिये गये प्रोजेक्ट सूची में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से करायें, प्रोजेक्ट कार्यों की फाइल तैयार करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट पाँच अंकों का होगा।

1-विभिन्न प्रकार के वस्त्र (ऊनी, सूती, रेशमी, नायलान) पर जल, साबुन एवं धोने की विधिका प्रभाव

2- सिलाई एक कला

3- सिलाई किट

4-धागो का वर्गीकरण

5–पर्यावरण और सिलाई।

6-सिलाई एवं सजावटी टाँके

7- सिलाई एवं सजावटी सामान

8-वस्त्रो का नवीनीकरण

9-एक फाइल तैयार करें जिसमें पाठ्यक्रमानुसार सभी वस्त्रों की नाप एवं पेपर कटिंग लगायें।

10-एक फाइल तैयार करें (जिसमें) पाठ्यक्रमानुसार सभी वस्त्रों को नाप लिखें एवं छोटे-छोटे वस्त्र सिल कर लगायें।

आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत कराये जाने की संस्तुति की जाती है-

1.प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा **का आयोजन -**

प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य अगस्त माह 10 अंक (5+5)

2- द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा **का आयोजन** -

प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य दिसम्बर माह 10अंक (5+5)

3- चार मासिक परीक्षाएं 10 अंक

i. प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीयप्रश्नों (MCQ) केआधार पर) मई

ii. द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) जुलाई

iii. तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीयप्रश्नों (MCQ) केआधार पर) नवम्बर

iv. चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) दिसम्बर

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।